Carpenter's monthly newspaper

www.carpentersnews.com

कारपेंटर्स न्यूज

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2022-24
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | दिसंबर 2022 | वर्ष : 18 | अंक : 01 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

प्रकृति संरक्षण के लिए कुटीर कारीगर को बढ़ावा की जरूरत ... पेज - 7

कैनेडियन वुड की ओर एक्सपीरियंस सेंटर में संगोष्ठी का आयोजन

मुंबई। कैनेडियन वुड की ओर से री-मैन प्रोजेक्ट्स विद कैनेडियन वुड पर एक संगोष्ठी का आयोजन कैनेडियन वुड के मुंबई स्थित एक्सपीरियंस सेंटर में आयोजित की गई। इस संगोष्ठी में इंडस्ट्री से जुड़े आर्किटेक्ट सलिल राणादिवे, आर्किटेक्ट प्रवीर सेठी और विनू नाईक ने भाग लिया।

संगोष्ठी में कैनेडियन वुड के कंट्री डायरेक्टर, प्रणेश छिब्बर ने भारतीय निर्माण उद्योग के मौजूदा चलनों पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि लकड़ी के आयात का भारत में एक लंबा इतिहास रहा है। प्रति वर्ष भारत लगभग 700 क्यूबिक मीटर लकड़ी का आयात करता है, जिसका 90 प्रतिशत री-मैन अनुप्रयोगों के लिए उपयोग किया जाता है। निर्माताओं और आर्किटेक्ट्स द्वारा कैनेडियन वुड को पसंद किए जाने के कई कारणों में से एक यह है कि हम अच्छी तरह से पकी हुई और एक समान आकार की लकड़ियां डिलिवर करते हैं, जिससे निर्माता को उपयोग से पहले लकड़ी को छांटने की जरूरत नहीं रह जाती। अधिक से अधिक बिल्डर और आर्किटेक्ट भारत में संरचनात्मक अनुप्रयोगों और री-मैन बढ़ने के लिए बाजार के रूप में स्थायी रूप से प्रबंधित वनों से प्रमाणित लकड़ी के लिए आग्रह कर रहे हैं।

आर्किटेक्ट सलिल रणदिवे ने लकड़ी से भवन निर्माण से जुड़े नैतिक पहलुओं के बारे में बात करते हुए कहा कि एक आर्किटेक्ट के रूप में मैं पर्यावरण और लोगों की सुरक्षा का समर्थन करता हूं। कैनेडियन वुड्स के साथ व्यापार करना पसंद करने के पीछे मेरे लिए एक कारण यह है कि पर्यावरण और नैतिक व्यावसायिक पद्धतियों पर उनका जोर है। वे उन पेड़ों को फिर से लगाने की पहल करते हैं जिनकी वे कटाई करते हैं। वन आवरण को संरक्षित करते हैं और साथ ही स्थायी रूप से प्रबंधित वनों से प्रामाणिक लकड़ी की पेशकश करते हैं।

कैनेडियन वुड के साथ अपने सहयोग पर बोलते हुए स्टूडियो हिंज के संस्थापक आर्किटेक्ट प्रवीर सेठी ने कहा कि मैं कैनेडियन वुड को उनके सख्त गुणवत्ता नियंत्रण, मानकीकरण और अनुकूलन के कारण स्थानीय लकड़ी से अधिक पसंद करता हूं। वे हमें पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए सटीक आकार और ग्रेडेड लकड़ी प्रदान करते हैं।

इंटरस्केप के संस्थापक वीनू नाईक ने कहा कि भारत के दक्षिणी हिस्से में लोग लकड़ी का उपयोग करके निर्माण करने की अधिक संभावना रखते हैं, क्योंकि यह लंबे समय से उनकी संस्कृति में शामिल है। वास्तव में हम दक्षिणी भारत में एक ग्राहक के लिए 1200- फीट के घर के निर्माण के लिए ब्रिटिश कोलंबिया के पश्चिमी लाल देवदार का उपयोग कर रहे हैं। मेरी राय में लकड़ी से भवन निर्माण एक बार फिर से अधिक लोकप्रिय होना शुरू हो गया है। इसके गतिशील चरित्र के कारण भारत के उत्तरी भागों के लोगों ने भी इस प्रवृत्ति को अपनाना शुरू कर दिया है। सत्र का समापन गजानन पाटणकर, सहायक निदेशक, व्यवसाय विकास द्वारा लोगों को धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। संगोष्ठी का संचालन डॉ. जिमी थॉमस, सहायक निदेशक, तकनीकी सेवाएं द्वारा किया गया।

हेटिच कंपनी युवाओं को सीखा रही कारपेंटरी के गुर

मुंबई में शुरू हुआ प्रशिक्षण केंद्र

मुंबई। फर्नीचर हार्डवेयर फिटिंग बनाने वाली कंपनी हेटिच युवाओं को कारपेंटरी का प्रशिक्षण देकर फर्नीचर इंडस्ट्रीज में प्रशिक्षित कारपेंटरों को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है। हरियाणा के फरीदाबाद में हेटिच पोद्दार वुड वर्किंग इंस्टीट्यूट (HPWWI) को वुडवर्किंग और हार्डवेयर इंस्टॉलेशन के क्षेत्र में ज्ञान प्रदान करने और क्षमता निर्माण के उद्देश्य से एक पहल के रूप में संकल्पित किया गया है।

FFSC और NSDC द्वारा मान्यता प्राप्त मुख्य केंद्र 10,000 वर्ग फीट में फैला हुआ है और इसमें अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा, अनुकूलित प्रशिक्षण मॉड्यूल, अनुभवी संकाय और प्रौद्योगिकी ज्ञान भागीदार हैं। इस प्रशिक्षण केंद्र में युवाओं को कारपेंटरी, मॉड्यूलर फर्नीचर डिजाइन, हार्डवेयर फिटिंग के साथ वुडवर्किंग कौशल का प्रशिक्षण दिया जाता है। हेटिच पोद्दार वुड वर्किंग इंस्टीट्यूट का फरीदाबाद के अलावा मुंबई और बैंगलोर में भी केंद्र हैं और जल्द ही कोलकाता, इंदौर और बड़ौदा में नए प्रशिक्षण केंद्र शुरू होंगे।

मुंबई स्थित हेटिच पोद्दार वुड वर्किंग इंस्टिट्यूट के दिलीप कुमार बासु ने 'कारपेंटर्स न्यूज' से बातचीत में कहा कि फर्नीचर इंडस्ट्रीज में प्रशिक्षित कारपेंटरों की भारी कमी है। जिस तरह समय तेजी से बदल रहा है उसको देखते हुए युवा कारपेंटरों को सही प्रशिक्षण की जरूरत होगी। हेटिच की ओर से कारपेंटरों को बेसिक कारपेंटरी प्रशिक्षण के साथ मॉड्यूलर फर्नीचर असेम्बली, फर्नीचर फिटिंग व सर्विस का भी निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। बासु ने बताया कि प्रशिक्षण की अवधि 3 व 6 महीना है। प्रशिक्षित कारपेंटर को किसी फर्नीचर कंपनी में नौकरी भी दिलाते हैं। कस्टमर लॉयल्टी प्रोग्राम के अंतर्गत देश में 16 हजार कारपेंटरों प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत करीब 2 हजार कारपेंटरों को ट्रेनिंग सर्टिफिकेट दिया जा चुका है। मुंबई में कारपेंटरी का प्रशिक्षण लेने के लिए सुनील विश्वकर्मा से मोबाईल नंबर 9372746122 पर संपर्क किया जा सकता है।

खादी इंडिया ने बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी की खादी, हैंडलूम या हैंडीक्राफ्ट उत्पाद खरीदने की अपील को लोगों ने हाथों-हाथ लिया है। इस वर्ष 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर खादी इंडिया के कनॉट प्लेस, नई दिल्ली आउटलेट ने बिक्री के सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए।

खादी इंडिया के इस आउटलेट ने सिर्फ एक दिन में 1.34 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री की है। इस खादी इंडिया आउटलेट ने पिछले साल गांधी जयंती पर बनाए गए 1.01 करोड़ रुपये की बिक्री रिकॉर्ड तोड़ने के साथ ही 30 अक्टूबर, 2021 के 1.29 करोड़ रुपये के अब तक के सबसे ज्यादा सेल्स रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले भी अपने कार्यक्रमों में लोगों से खादी खरीदने की अपील कर चुके हैं। इसी का असर है कि खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने वित्त वर्ष 2021-22 में पहली बार 1.15 लाख करोड़ रुपये का कारोबार किया। केवीआईसी ने कुल 1,15,415.22 करोड़ रुपये का कारोबार किया जो पिछले वर्ष यानी 2020-21 में 95,741.74 करोड़ रुपये की तुलना में 20.54 प्रतिशत ज्यादा है।

वैष्णोदेवी तीर्थयात्रियों ने किया भगवान विश्वकर्मा का दर्शन

जम्मू। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय महासचिव व कारपेंटर्स न्यूज़ के संपादक गंगाराम विश्वकर्मा के नेतृत्व में मुंबई से महिलाओं और युवा जोड़ों सहित लगभग 70 वैष्णोदेवी तीर्थयात्रियों का एक समूह 13 नवंबर 2022 श्री विश्वकर्मा मंदिर मिश्रीवाला, अखनूर रोड जम्मू में पहुंचा। वैष्णोदेवी तीर्थयात्रियों ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना की ततपश्चात समूह का स्वागत मंदिर समिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम चरगोत्रा, मंगलदास वर्मा, अध्यक्ष रशपाल सिंह वर्मा, सचिव नीतू वर्मा, केवल कृष्ण और पवन वर्मा, पंच, ओम कटारिया, बलवंत कटारिया और जोगिंदर अंगोत्रा ने किया। तीर्थयात्रियों को दोपहर का भोजन परोसा गया और उन्हें विश्वकर्मा रिपोर्टर पत्रिका की प्रतियां भी वितरित की गईं। गंगाराम विश्वकर्मा ने बताया कि सामुदायिक एकीकरण और कल्याण की दिशा में जम्मू-कश्मीर में विश्वकर्मा लोगों के प्रयास सराहनीय है। उन्होंने बताया कि वे शिक्षा और युवा चेतना के क्षेत्र में श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी, जम्मू की गतिविधियों से बहुत प्रभावित हैं। कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएसन के अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण विश्वकर्मा ने बताया कि गत 22 वर्षों से फर्नीचर निर्माण से जुड़े लोग इस यात्रा में शामिल होते रहे हैं। इस बार वाराणसी से भी कुछ यात्री इस यात्रा में शामिल हुए। बलवंत कटारिया ने कहा कि विश्वकर्मा मंदिर मिश्रीवाला का निर्माण 1996 में हुआ था और यह जम्मू शहर से 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस अवसर पर रशपाल वर्मा, पूर्व उपाध्यक्ष ओबीसी बोर्ड और राष्ट्रीय महासचिव ओबीसी मोर्चा (भाजपा) को श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी टीम द्वारा विश्वकर्मा रिपोर्टर 2022 की प्रति भेंट कर सम्मानित किया गया।

कारपेंटर्स न्यूज़

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

संपर्क करें : Mo. 9320566633 | Email: carpentersnews@gmail.com

हमें फॉलो करें : Facebook.com/carpentersnews | Telegram: https://t.me/carpenters_news

मुंबई | दिसंबर 2022 | वर्ष : 18 | अंक : 01 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

काशी विश्वनाथ मंदिर के मॉडल की बोली 50 लाख

प्रधानमंत्री को मिले उपहारों में काशी विश्वनाथ मंदिर के लकड़ी से बने भव्य मॉडल की बोली लगाने वालों की संख्या सबसे अधिक 284 रही। इसकी आधार बोली महज 16,200 रुपये थी लेकिन अंतिम बोली 50 लाख रुपये पहुंची। पिछले वर्ष की नीलामी में सबसे अधिक 140 लोगों ने सरदार पटेल की प्रतिमा के लिए बोली लगाई थी।

विश्व कौशल प्रतियोगिता में भारत का कारपेंटरी में शानदार प्रदर्शन

कारपेंटरी, कैबिनेट मेकर और जॉइनर में दिखाया प्रतिभा

बेसल। स्विट्जरलैंड में विश्व कौशल प्रतियोगिता (WSC) 2022 का विशेष संस्करण एक अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें भारत का प्रतिनिधि मंडल ने कारपेंटरी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता दुनिया भर के शिल्पकारों और पेशेवरों के लिए खुली थी, जो इस क्षेत्र में अपने कौशल और ज्ञान का प्रदर्शन करने में सक्षम थे। यह इन कारीगरों के लिए वैश्विक दर्शकों और क्षेत्र में अन्य पेशेवरों और विशेषज्ञों के साथ नेटवर्क के लिए अपनी प्रतिभा और कौशल दिखाने का एक मंच था। प्रतियोगिता में 60 से अधिक देशों के 2000 से अधिक युवा लोगों ने कारपेंटरी वेल्डिंग, ज्वाइनरी और प्लंबिंग से लेकर कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और रोबोटिक्स तक विभिन्न कौशल श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा देखी। प्रतियोगियों को उनके तकनीकी कौशल, रचनात्मकता और एक टीम के रूप में एक साथ काम करने की क्षमता के आधार पर आंका गया।

फर्नीचर और फिटिंग क्षेत्र के लिए विशिष्ट तीन ट्रेड कारपेंटरी, जॉइनरी व कैबिनेट बनाना इस आयोजन का हिस्सा था। प्रत्येक श्रेणी में प्रतिभागी को संबंधित अनुशासन में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करना था। प्रतियोगिता प्रतिभागियों के ज्ञान और कौशल का आकलन करने के लिए डिजाइन किए गए परीक्षणों और कार्यों की एक श्रृंखला के साथ शुरू हुई। प्रतिभागियों को कारपेंटरी, कैबिनेट बनाने या जॉइनरी प्रोजेक्ट बनाने में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करना था। इसमें डिजाइन, सामग्री का चयन, कटिंग और प्रोजेक्ट की असेंबली शामिल थी। प्रतिभागियों को उनके द्वारा बनाई गई परियोजनाओं की सटीकता, गुणवत्ता और मौलिकता पर आंका गया। कार्यक्रम का समापन समारोह विजेताओं की घोषणा के साथ हुआ। विश्व कौशल प्रतियोगिता 2022 विशेष संस्करण एक बड़ी सफलता थी और इसने प्रतियोगियों को अपने कौशल सीखने और विकसित करने का एक अमूल्य अवसर प्रदान किया।

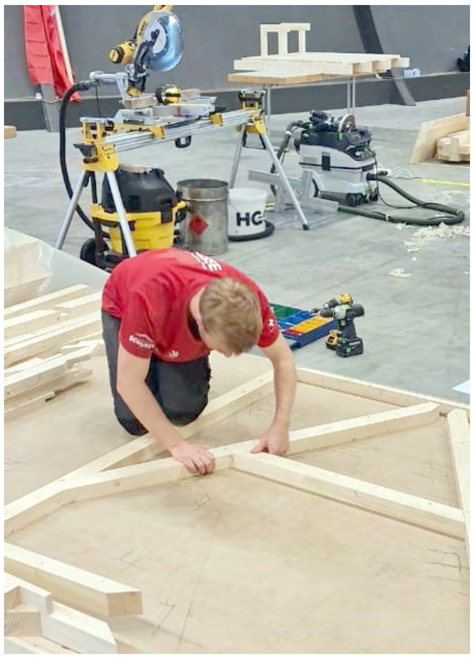

कैबिनेट मेकर

कैबिनेट निर्माता लकड़ी या इसके डेरिवेटिव के साथ क्या बनाया जा सकता है इसके बेहतर विवरण पर ध्यान केंद्रित करते हैं। कैबिनेट बनाने में विस्तृत कार्य शामिल होता है और बहुत सटीक होने की आवश्यकता होती है, इसलिए विस्तार पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। वे अन्य कच्चे माल और हार्डवेयर की विस्तृत श्रृंखला के साथ लकड़ी और उसके डेरिवेटिव जैसे प्लाइवुड, एमडीएफ, पार्टिकल बोर्ड, विनियर आदि का उपयोग करने में विशेषज्ञ हैं। एक कैबिनेट मेकर किचन, बाथरूम वैनिटीज, बुककेस, एंटरटेनमेंट यूनिट्स, कैबिनेट्स आदि जैसी परियोजनाओं पर काम करता है। मास्टर संतोष ओझा ने अशोक कुमार जांगिड़ की विशेषज्ञता के तहत कैबिनेट मेकिंग में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

तीन ट्रेडों के बीच अंतर

कैबिनेट मेकर, जॉइनर और कारपेंटर सबसे पहले यह समझना महत्वपूर्ण है कि सभी व्यापार मुख्य सामग्री के रूप में लकड़ी के साथ काम करते हैं और उनके संबंधित क्षेत्रों में उच्च स्तरीय कौशल प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।

जॉइनर

कैबिनेट मेकिंग और ज्वाइनरी शब्द अक्सर परस्पर विनिमय के लिए उपयोग किए जाते हैं। दरवाजे, खिड़की के चौखट, सज्जित फर्नीचर बनाने, सीढ़ियां बनाने आदि जैसे कार्य जॉइनर द्वारा किए जाते हैं। परियोजनाओं को कारपेंटरी के कार्यशाला में पूरा किया जाता है और एक बार पूरा होने पर स्थापित किया जाता है। जय किशन सुथार ने नरेंद्र सिंह की विशेषज्ञता के तहत भारत का प्रतिनिधित्व किया।

कारपेंटर

अपने सबसे सरल और पारंपरिक अर्थ में जबकि कैबिनेट मेकर या जॉइनर के लिए परियोजना का निर्माण एक कार्यशाला या कारखाने में किया जाता है और बाद में स्थापित किया जाता है, एक कारपेंटर आमतौर पर साइट पर परियोजना के निर्माण तत्वों का निर्माण करता है। यह कहना सुरक्षित है कि एक कारपेंटर या कैबिनेट निमार्ता अनिवार्य रूप से कोई ऐसा व्यक्ति होता है जो उस उत्पाद को बनाता है जिसे एक कारपेंटर स्थापित या मरम्मत करता है। कैबिनेट निमार्ताओं या जॉइनर्स के विपरीत कारपेंटर बड़ी संरचनात्मक परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं। अभी भी लकड़ी के साथ काम कर रहे परियोजनाओं में घर के फ्रेम, डेकिंग, पेर्गोलस, फिटिंग फर्श, फिटिंग सीढ़ियां, खिड़की के फ्रेम फिक्स करना, अलमारी स्थापित करना और शेल्विंग आदि शामिल हैं। बीडी कन्नदुवीदु शिवदासन ने बीनू भास्करन की विशेषज्ञता के तहत कारपेंटरी व्यापार में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

भारत फिर से बनेगा जगद्गुरु - स्वामी हरि चैतन्य पुरी

गोरेगांव में विराट धर्म सम्मेलन का आयोजन

मुंबई। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी हरि चैतन्य पुरी ने कहा कि भारत फिर से जगद्गुरु के पद पर प्रतिष्ठापित होगा। गोरेगांव (पश्चिम) स्थित आई. बी. पटेल स्कूल ग्राउंड में आयोजित विराट धर्म सम्मेलन में भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न आक्रमणकारी हमारे देश से सोना, चांदी, हीरे, जवाहरात, कोहिनूर जैसे खज़ाने लूटकर ले गए, लेकिन अध्यात्म ज्ञान अभी भी हमारे मनीषियों के मस्तिष्क में है। उसका व्यवसाय बनाकर नहीं बल्कि निस्वार्थ भाव से चंद लोग भी एकजुट होकर प्रचार प्रसार करने में जुट जाएं तो भारत फिर से जगद्गुरु बनेगा।

उन्होंने कहा कि धर्म विज्ञान सम्मत है ढकोसला नहीं। लोगों ने अपने तुच्छ स्वार्थों के लिए उसे ढकोसला बनाने का प्रयास किया है। धर्म और विज्ञान एक दूसरे के पूरक कहने में अतिशयोक्ति नहीं होगी। धर्म से विज्ञान दूर होने पर ही ढोंग, पाखंड, अंधविश्वास, रूढ़िवादिता को प्रवेश मिलता है तथा विज्ञान से भी धर्म दूर होने पर ही ऐसा धर्म विहीन विज्ञान विकास का नहीं विनाश का कारण बनता है।

हरि चैतन्य पुरी ने कहा कि संपूर्ण विश्व आज युद्ध की संभावनाओं के यंत्रणा काल से गुजर रहा है। हम सभी समस्त प्रकार की संकीर्णताओं और मतभेदों को त्यागकर आपसी प्रेम, एकता, सद्भाव व सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखें। विश्व शांति के अग्रदूत हमारे प्यारे भारत वर्ष में आज अशांति दुर्भाग्यपूर्ण व चिंता का विषय है। हम अशांति के घटक ना बने, शांति का साम्राज्य स्थापित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे ,यहां शांति होगी व यही से एक बार फिर से शांति का संदेश सारी दुनिया में भारत की पवित्र धरा से ही पहुंचेगा। हमारा प्यारा भारत जगद्गुरु रहा है, आज कमियां भारत में नहीं हम भारतवासियों में आयी है, विचारपूर्वक उन्हें दूर करें। पड़ोसी राष्ट्र को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि पाक को अपने नापाक इरादे बदलने चाहिए। भारत को आतंक के साये में पिछले कई दशक से अघोषित युद्ध की स्थिति में झोंक रखा है। आए दिन होने वाली घुसपैठ, आतंकवादी हमले, आतंकवादी ट्रेनिंग कैंप चलाकर सैनिकों के साथ बर्बरतापूर्ण व्यवहार करके अमानवीयता की सारी हदें तोड़ रखी है। पाक इन नापाक हरकतों से बाज आए वरना हमेशा की तरह मुंह की खानी पड़ेगी। चीन को भी आगाह करते हुए कहा कि यह भारत वर्ष तब का भारत वर्ष नहीं। आज हमारी सैन्य शक्ति दुनिया में बहुत मजबूत है। हमने कभी युद्ध नहीं चाहा, हम पर हमेशा युद्ध थोपे गए। भारत सर्वे भवन्तु सुखिनः व विश्व बंधुत्व का भाव रखता है, पृथ्वी ही नहीं संपूर्ण ब्रह्मांड में शांति चाहता है।

स्वामी हरि चैतन्य पुरी ने कहा कि भारत जैसे पवित्र राष्ट्र में जहां श्रीराम, श्रीकृष्ण जैसे अवतारों ने गाय की सेवा व पूजा करके महिमा प्रतिष्ठापित की हो, वहां गायों की दुर्दशा व गौहत्या शर्मनाक है, जिस पर पूर्ण प्रतिबंध लगना चाहिये। जिस देश में वर्ष में दो बार नवरात्रि व विभिन्न मांगलिक अवसरों पर कन्या पूजन किया जाता हो, वहां कन्या भ्रूण हत्या जैसा जघन्य अपराध निंदनीय व शर्मनाक है। घटता हुआ लिंग अनुपात भविष्य के लिए चिंता का विषय है व कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध कठोर कानून बनने चाहिए तथा समाज में जागृति पैदा करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा आज लोग अधिकारों के लिए जागरूक हुए है अच्छी बात है लेकिन राष्ट्र व समाज के लिए अपने कर्तव्यों को भी पहचानें व पालन करें तो और भी अच्छा होगा। समाज की विभिन्न जटिलतम समस्याओं का राजनीतिकरण न करके आपसी प्रेम मेलजोल व सौहार्दपूर्ण वातावरण में सुलझाने का प्रयास करें।

उन्होने कहा कि हर प्रकार की संकीर्णताओं व मतभेदों को त्याग कर आपसी प्रेम,एकता व सद्भाव बनाए रखें। अशांत व्यक्ति को कहीं सुख नहीं मिल सकता। इसलिए जीवन में शांति को जीवन में प्रमुखता से स्थान दें। परिवार ,नगर, राष्ट्र में व समाज में शांति का साम्राज्य स्थापित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। अपने जीवन को राष्ट्रीयता, मानवता, प्रेम भक्ति से व परोपकार से परिपूर्ण बनाएं। अंधविश्वास, कुरीतियों और बुराइयों, गंदे व्यसनों, वैर, विरोध राग,द्वेष, ईर्ष्या, अन्याय ,विकारों से रहित अपना जीवन बनाएं। पाश्चात्य सभ्यता का अंधानुकरण त्याग कर देश की अमूल्य व महान संस्कृति के महत्व को समझकर अपने जीवन में उतारें।

अपने धाराप्रवाह प्रवचनों से उन्होंने सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध व भाव विभोर कर दिया। सारा वातावरण भक्तिमय हो उठा व 'श्री गुरु महाराज' 'कामां के कन्हैया' व 'लाठी वाले भैया' की जय जयकार से गूंज उठा।

धर्म सम्मेलन समारोह में पूर्व राज्यमंत्री विधायक विद्या ठाकुर, भाजपा महाराष्ट्र उपाध्यक्ष जयप्रकाश ठाकुर, पूर्व उपमहापौर दिलीप पटेल, मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, अधिवक्ता ज्ञानमूर्ति शर्मा, नगरसेविका संगीता शर्मा, नगरसेवक दीपक ठाकुर, नगरसेवक संदीप पटेल व जितेंद्र सिंह आदि इस अवसर पर उपस्थित रहे।

मेरा सौभाग्य है कि मुझे सत्संगी बनने का अवसर मिला

अहमदाबाद। प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे सत्संगी बनने का अवसर मिला है। यहां देवत्व की अनुभूति होती है। संकल्पों की भव्यता है। यह नगर संस्कृति और विरासत का परिचायक है। यहां भारत का हर रंग दिखता है। यहां संतों की कल्पना शक्ति है। महंत स्वामी महाराज की पावन निश्रा में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि महंत स्वामी के आशीर्वाद से ऐसा भव्य आयोजन है, जो विश्व को प्रभावित करेगा। आने वाली पीढ़ी को प्रभावित करेगा। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा स्वामी का शताब्दी समारोह मनाना दशार्ता है कि स्वामी जी के विचार सार्वभौम हैं। नगर में एक समृद्ध संत परंपरा दृष्टिगोचर होती है। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना यहां देखी जाती है। बचपन

में स्वामी को देखकर अच्छा लगता था। 1981 में पहली बार व्यक्तिगत रूप से स्वामी जी का सत्संग हुआ था। स्वामीजी ने अध्यात्म और विज्ञान का अद्भुत संगम मंदिरों द्वारा दशार्या है। उन्होंने जाति-पांति, अमीर, गरीब जैसे भेदों को समाप्त कर दिया। प्रमुख स्वामी हमेशा मुझे चुनाव के नामांकन के लिए कलम भेजते थे। वे मुझे 40 वर्ष तक प्रति वर्ष कुर्ता पजामा का कपड़ा भी भेजते रहे। महंतस्वामी महाराज आज भी इस परंपरा को जारी रखे हुए हैं। प्रमुखस्वामी महाराज आज भी जहां कहीं भी हैं, वहां से मुझे देख रहे हैं। जब मैं मुख्यमंत्री था, तब हमेशा गांधीनगर के अक्षरधाम के शिखर के दर्शन करता था। दिल्ली अक्षरधाम स्वामी के महान शिष्यत्व की ताकत को दशार्ता है। स्वामीजी के द्वारा स्थापित संतों की तालीम कैसी होती है, यह देखने के लिए सारंगपुर जाना चाहिए।

परम पूज्य महंत स्वामी महाराज ने कहा कि नरेंद्र भाई प्रमुख स्वामी के प्रति अपने प्रेम के कारण यहां आए हैं, वे उनके प्रति श्रद्धांजलि देने आए हैं। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने प्रमुख स्वामी महाराज के वैश्विक कार्यों का स्मरण कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज का उत्सव जन जन का उत्सव है। प्रमुख स्वामी महाराज ने जाति, धर्म, देश के भेदभाव के बिना अपना जीवन व्यतीत किया है।

भाप इंजन से वंदेभारत ट्रेन तक

भारत में पहला रेल भाप इंजिन 1 नवंबर 1950 में चितरंजन रेल कारखाने में बना था, लेकिन अब हम ऐसी स्वदेशी वंदेभारत ट्रेन बना और दौड़ा रहे हैं जो महज 52 सेकेंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड पकड़ लेती है।

यह ट्रेन हाल ही में गांधी नगर-मुंबई और ऊना-नई दिल्ली के बीच पटरी पर दौड़ी है। इसी तरह मुंबई-अहमदाबाद के बीच 508 किलोमीटर की हाईस्पीड रेल (320-350किमी/घंटा) कॉरिडोर के प्रोजेक्ट पर भी तेजी से काम चल रहा है, जबकि 7 अन्य कॉरिडोर की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने का काम चल रहा है। सुरक्षा के लिए अब स्वदेशी तकनीक 'कवच' सिस्टम को रेलवे नेटवर्क में जोड़ा जा रहा है। रेल यात्रियों का समय बचे इसलिए 1 अक्टूबर, 2022 से ही 500 मेल एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की गति 10 मिनट से 70 मिनट तक तेज की गई है। रेलगाड़ियों की समयबद्धता भी 75 फीसदी से बढ़कर 84 फीसदी हो गई है। अगस्त 2023 तक 75 वंदे भारत ट्रेन चलेगी।

NIKHIL
Mahacol®
The Right Adhesive
महाकोल
हीटफिट
महाकोल
जलवीर
सर्वश्रेष्ठ हीट प्रूफ एडहेसिव
वॉटर प्रूफ एडहेसिव
Rs.15
TOKEN
PER POUCH
Mahacol®
HEATFIT
HEAT PROOF ADHESIVE
Perfect for Verticle Lamination
Mahacol®
jalveer
5 MINS Setting Time
Coverage: 48 – 53 sq. ft / kg

Since 1986
Suzu®
An ISO 9001:2015 Certified Company | CE Certified

36 Growing Years
INDIA'S 1ST STAINLESS STEEL SHACKLE Padlocks Series
INDIA'S 1ST S.S HINGES MANUFACTURER Hinges Series

FROM THE DESK OF CEO

Suzu Steel (India) is one of the leading Companies of India who pioneered in manufacturing of Locks & Door hardware Fittings. Suzu brand was established in 1986 under the guidance of Mr. Sushil Bansal and Mr. Brijbhushan Bansal from Rohtak (Haryana). The company has made tremendous progress in terms of adding manufacturing plants as well as penetrating market all over India. We are proud to see that Mr. Animesh Bansal, Director & Mr. Sachin Bansal, Director both are very progressive and positive about the future of SUZU brand in India. Their guiding force during last few years, company has developed more than 400 direct distributors and wholesalers catering to every corner of India and more than 20000 retailers where SUZU is providing quality products services. We are doing well into the Government , Builders & institutions sectors. During last 3-4 years company has expanded in various ranges in exports all over the world.

SUZU means Quality and appreciated in trade, Institutionals, Government Departments & International Client. We are continuously improving our Quality, Services and multiplying our network worldwide. We are aiming to give our presence within Top 4 Hardware brands of India in next 5 years time. We sincerely thank all our clients, trade partners & consumers for patronizing SUZU brands for their needs of locks & door hardware items.

Success Mantra

"Our entire Sales & Backup support team believe giving best quality & services to achieve consumer satisfaction" which is our success mantra.

Vijay Kumar Dutta
C.E.O.

~ Our Global Associates ~

DUBAI | GERMANY | U.K. | NEPAL | BANGLADESH | BHUTAN | SRI LANKA | NIGERIA | KENYA | TANZANIA

www.suzusteel.com | www.suzu.in

Find us on :

प्रकृति संरक्षण के लिए कुटीर कारीगर को बढ़ावा की जरूरत

मिस्र के तटीय शहर शर्म अल-शेख में 6 से 18 नवंबर तक कई देशों के प्रमुख, मंत्री और वार्ताकार, जलवायु कार्यकर्ताओं, मेयर, नागरिक समाज के प्रतिनिधि और सीईओ ने जलवायु कार्रवाई पर सबसे बड़ी वार्षिक सभा COP-27 में भाग लिया। जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के पक्षकारों का 27 वां सम्मेलन को COP26 के परिणामों पर आधारित कहा गया है। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपातकाल से निपटने के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर कार्रवाई की जा सके, यह इस सभा का मुख्य उद्देश्य रहा।

बढ़ते ऊर्जा संकट, रिकॉर्ड ग्रीनहाउस गैस सांद्रता और बढ़ती चरम मौसम की घटनाओं का सामना करते हुए, COP-27 लोगों और पृथ्वी ग्रह के लिए ऐतिहासिक पेरिस समझौते के लंबित मामलों को पूरा करने हेतु देशों के बीच नए सिरे से एकजुटता का प्रयास है। पेरिस समझौते में विकसित देशों ने जो विकासशील देशों से वादा किया था उस पर भी इस बैठक में चर्चा हुई।

हमारा लिखित इतिहास लगभग 5 हजार वर्षों से है उससे भी लाखों वर्ष पूर्व से मानवों का क्रमिक विकास है। इन लाखों पिछले वर्ष से लगायत सन 1760 तक पृथ्वी पर ऐसी कोई दस्तक नहीं हुई थी जो पृथ्वी पर मानव जीवन के साथ इस ग्रह को भी खतरे में डाल सके। औद्योगिक क्रांति के झंडे तले जैसे ही मशीनों ने प्रवेश किया, उसने प्रकृति में प्रयोग की दस्तक दे दी जिसके साइड इफेक्ट्स अब सामने आने लगे हैं। औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप सतत अर्थशास्त्र जिसे सनातन अर्थशास्त्र भी कहते हैं की जगह जैसे ही अति उत्पादन आधारित मूल्यांकन जीडीपी को विकास का पैमाना माना गया, विकास उलटे ट्रैक पर दौड़ गया और मानव समेत जैव विविधता और पृथ्वी भी खतरे में आ गई।

जीडीपी पृथ्वी पर विकास का उचित पैमाना नहीं है, यह अति उत्पादन को बढ़ावा देने वाला है जो मशीनों से ही प्राप्त किया जा सकता है जिससे प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन होना स्वाभाविक है। इसके जगह हमें पड़ोसी देश भूटान का मॉडल अपनाना चाहिये, जहां जीएनएच (ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस) का पैमाना है। पृथ्वी पर आपातकाल बीते लाखों वर्षों में नहीं आया, इसकी प्रस्तावना 1760 में लिखी गई। लेकिन अंधाधुंध जीडीपी आधारित विकास हमने शुरू किया। पिछले 100 वर्षों में जब जीवाश्म ईंधन, कोयला और पेट्रोलियम पदार्थों का अंधाधुंध दोहन शुरू किया और इन 100 वर्षों में भी बीते 50 वर्षों में हमने सबसे ज्यादा नुकसान अपनी पृथ्वी को पहुंचाया। जीवाश्म ईंधन के अलावा यूज एंड थ्रो की सभ्यता हमने गत 50 वर्षों में ही शुरू किया, जिससे अनावश्यक उत्पादन और उस कारण अनावश्यक कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि हुई।

COP-27 में जिन चिंताओं को रेखांकित कर समाधान खोजने का प्रयास किया गया, उन चिंताओं को रेखांकित कर भारत सनातन काल से ही प्रकृति और पारिस्थितिकीय और जैव विविधता सरंक्षण की व्यवस्था में रहा है। हमारा तानाबाना भी ऐसा ही रहा है, लेकिन लगातार पिछले 50 वर्षों में भारत की इस मूलात्मा पर भी इस नई उपभोक्ता संस्कृति ने चोट पहुंचाई है। आज हम चर्चा करेंगे की भारत के सनातन अर्थशास्त्र आधारित व्यवस्था कैसे COP की मीटिंगों के परिणामों जैसे ही रही है, जिसे उन्हीं लोगों ने बिगाड़ा है जो आज पेरिस, ग्लास्गो और मिश्र में बैठ कर चर्चा कर रहे हैं।

जी हां, मैं बात कर रहा हूं भारत की परंपरावादी मरम्मत करने वाली व्यवस्था की। जब आपको समाज में बढ़ई, लोहार, दर्जी, चर्मकार जैसे कामगार वर्ग का तानाबाना मिल जाता था। जिसे आधुनिक शब्दों में सर्कुलर इकॉनमी बोलते हैं जो सनातन अर्थव्यवस्था का एक प्रकार है। यह तानाबाना भारत में बचत और मितव्ययिता को बढ़ाता था, प्रकृति को न्यूनतम नुकसान पहुंचता था और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में योगदान देता था।

एक घटना के उदाहरण से इस समाज और व्यवस्था की कीमत आपको समझ में आयेगी। एक मोची ही क्यों, सनातन काल से हमारे समाज के बनावट में जो चीजें गढ़ी गईं हैं उनकी कीमत समझ में आयेगी। एक दिन बारिश में भीगने की वजह से मेरा जूता ख़राब हो गया था। कुछ ने सुझाव दिया कि बाजार से एक जूता खरीद लेते हैं जो कुछ हजार का मिलेगा और इसे फेंक देते हैं। मुझे भी लगा सही कह रहा है, तभी मेरे मन में एक ख्याल आया क्यों ना एक बार मोची को दिखा ही लें। हो सकता है कम पैसे में काम हो जाए। यकीन मानिये यह काम 60 रुपये में हो गया। मोची की समाज में उपस्थिति ने सिर्फ मेरे कुछ हजार नहीं बचाये पर्यावरण में उतना कार्बन उत्सर्जन भी कम किया, उत्पादन की आवश्यकता कम किया।

अगर इस सामाजिक व्यवस्था की बसावट और बनावट में बढ़ई, लोहार, दर्जी चर्मकार जैसे कामगार वर्ग की व्यवस्था को बरकरार रखने की व्यवस्था की जाये तो यह हजारों करोड़ की बचत कराने में सक्षम तो होंगे ही, यह संयुक्त राष्ट्र के COP के उद्देश्यों के अनुकूल भी होंगे। कुछ लोग कह सकते हैं कि यदि सभी लोग ऐसे ही मरम्मत करवाते रहे तो उद्योगों का क्या होगा, उत्पादन कम होगा तो जीडीपी कम होगा। मेरा मानना है उत्पादन और जीडीपी कम होना मायने नहीं रखता। पुनर्चक्रीय व्यवस्था के तहत चमड़ा उत्पादन और जीव हत्या में कमी आयेगी। फिर बचत तो विनियोग के रुप में प्रयोग होगा ही ना। हमें औद्योगिक उत्पादन और जीडीपी की अंधी दौड़ में नहीं दौड़ना है। जो भी पृथ्वी के इकोसिस्टम के अनुकूल नहीं है उसे हतोत्साहित करना है। प्रोत्साहित उसे करना है जो ग्रीन इकॉनमी के अनुकूल है। उद्योग में जरुरत भर का उत्पादन करें, बाजार का हिस्सा इन कुटीर कारीगरों के लिये भी छोड़ें जो असल में प्रकृति संरक्षक की भूमिका में भी हैं। यदि हम रिपेयर इकॉनमी को इग्नोर कर यदि अति औद्योगिक उत्पादन की तरफ बढ़ेंगे तो हम खुद ही अपने और समाज के मौत का दस्तावेज लिख रहें हैं।

हमारी सतत सनातन सामाजिक अर्थव्यवस्था में इनकी बसावट और बनावट ऐसी थी जो पृथ्वी और मानव समाज के इकोसिस्टम के अनुकूल था। औद्योगिक उत्पादन उतना ही था जितने की मौलिक जरूरत थी, लेकिन आज के उपभोक्तावाद ने समाज का पूरा आर्थिक और सामाजिक ताना बाना बदल दिया है। आज हम रिपेयर इकॉनमी की जगह रिप्लेसमेंट इकॉनमी वाले चरण में आ गये हैं। ऐसा इसलिये है की यह बाजारवाद और पूंजीवाद की अंधी दौड़ है। हर आदमी अपना सामान बेचना चाहता है और खूब पैसा संचय करना चाहता है।

अगर हम और सरकारी नीतियां बढ़ई, लोहार, दर्जी, चर्मकार जैसे कामगार वर्ग का सरंक्षण प्रोत्साहन और सम्मानजनक जीवन देने में असफल रहे तो एक दिन भयंकर आर्थिक दुष्प्रभाव देखने को मिलेंगे। ये मोची, बढ़ई, टेलर, लोहार आदि की जो सामाजिक व्यवस्था है, यह समाज में पैदा हो रहे आर्थिक टोक्सिन को बाहर कर व्यक्ति को आर्थिक सक्षमता देने में सहायता करती है, यह उनके बचत को बढ़ाते हुए राष्ट्रीय विनियोग में वृद्धि करती है। ये एक छोटा धंधा या छोटे लोग नहीं हैं, ये पृथ्वी पर सुंदर कपड़े के मजबूत धागे हैं जिन्हे मजबूत रखना जरुरी है तभी हम सतत रूप में आर्थिक तौर पर मजबूत होंगे।

– पी जायसवाल

(लेखक अर्थशास्त्र के वरिष्ठ लेखक हैं।)

HARRISON
HARRISON®
Partners In Progress
हरीसन®
सुविधा स्कीम
कारपेंटर
भाइयो के लिए
आकर्षक स्कीम आज ही
रजिस्टर्ड
करें और पाएं मौका अनेको
उपहार
जितने का
Toll Free No. 1800-572-5795
नॉट:- ऊपर दर्शायी गई फोटो सिर्फ उपहार को दर्शाने हेतु है मिलने वाला उपहार इनमे से भिन्न हो सकता है : रंग मॉडल इत्यादि।
Find us:-
BE LOCAL BE VOCAL | BUY INDIAN PRODUCTS
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-
www.harrisonlocks.com | email : Info@harrisonlocks.com
9355-015-108
R | P | Locks Company
Harrison House 13 & 14, Central Market, Punjabi Bagh (West), New Delhi-110026
E-mail: info@harrisonlocks.com / enquiry@harrisonlocks.com
Call 09310142401 for All India sale, Distributors & C&F Queries for institutional, Architects & Bulk Buyers Enquires
स्कैन करें
लाभ उठाएं।

HARRISON
HARRISON®
Partners In Progress
बनो हरीसन का
Mr. आनंद
और रहो हमेशा आनंद में
मैं Mr. आनंद
हरीसन® (Service Provider)
जब फायदे से हो प्यार तो फिर क्यों करना इंतज़ार
आज ही जुड़ें हरीसन® Suvidha के साथ और
Locks & Hardware Solutions
पाओ अनेको उपहार
उपहार जितने की प्रक्रिया
स्टेप 1
हरीसन सुविधा एप्प डाउनलोड करें और लॉग इन करें
स्टेप 2
MRP
प्रोडक्ट पर लगे MPR स्टीकर को जमा करें हर एक MPR पर पॉइंट पाएं
स्टेप 3
निर्धारित पॉइंट्स जमा होने पर, उपहार जीते
हरीसन का Mr. आनंद मुख्य सेवा प्रदाता (Service Provider)
Mr. आनंद बनते ही पाएं अपने क्षेत्र के सारे कारपेंटर सम्बंधित कार्य सबसे पहले
चेयरमैन क्लब कारपेंटर
SMART LED TV WINNER
REFRIGERATOR WINNER
SMART PHONE WINNER
Cash Price WINNER
Cash Price WINNER
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
+91 9355015108
हरीसन सुविधा एप्प डाऊनलोड करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें
Toll Free No. 1800-572-5795
Website: www.harrisonlocks.com
Find us on :
• LOCKS • DOOR HARDWARE • FURNITURE HARDWARE• DOOR CONTROL • KITCHEN BASKETS & VELV'E' DRAWER TANTEM 'E' BOXES • SCREW & FASTENERS • E-SMART SECURITY SOLUTIONS • ADHESIVE DIVISION • BED FITTING • TOWER BOLT • MODULAR STORAGE

नेशनल एक्सपो में तापड़िया टूल्स ने लिया भाग

रायपुर। इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम (साइंस कॉलेज ग्राउंड) में 9 से 11 दिसंबर 2022 तक आयोजित नेशनल एक्सपो-2022 में तापड़िया टूल्स ने भाग लिया। तापड़िया टूल्स के सचिन सोमन उत्पादों के तकनीकी पहलुओं के बारे में सवालों के जवाब देने के लिए प्रदर्शनी में उपस्थित रहे। तापड़िया टूल्स हमेशा अपने ग्राहकों को विभिन्न अनुप्रयोगों के बारे में शिक्षित करने में अग्रणी रहा है। बाजार के खुलने के साथ निर्माताओं के लिए तकनीकी रूप से उन्नत नए उत्पादों जैसे माइक्रो ज्वैलरी प्लायर्स, वायर रोप कटर, प्लंबर टूल किट, एब्रेसिव लेटेक्स पेपर, वेल्क्रो डिस्क के अत्याधुनिक लाभों पर अंतिम उपयोगकर्ताओं को शिक्षित करना और भी महत्वपूर्ण हो गया है।

गोल्ड सीरीज, टाइल कटर ब्लेड, चाक लाइन रील सेट, टी-सॉकेट, रिंच, हाइड्रोलिक ट्रॉली जैक और जैक स्टैंड, ग्रीस गन बैरल, वीडीई प्लायर्स, बाई-मेटल होल सॉ, टॉर्क रिंच, नॉन-स्पार्किंग टूल्स की एक विस्तृत श्रृंखला उदाहरण के लिए प्लायर, हैमर, स्पैनर, स्क्रूड्राइवर जो बेरीलियम कॉपर और एल्युमिनियम ब्रॉन्ज (जो औद्योगिक पेशेवर उपकरण रेंज हैं) से बने होते हैं। स्टील फाइल, हैमर ड्रिल, प्लास्टिक टूल बॉक्स जैसे सार्वभौमिक रूप से उपयोग किए जाने वाले उत्पादों का विस्तृत प्रदर्शन भी करते हैं।

टीसीटी वुड कटिंग सर्कुलर ब्लेड्स, बिट ड्राइवर सेट और डायमंड ब्लेड्स के साथ-साथ अन्य मौजूदा उत्पाद श्रेणियां प्रदर्शनी में शामिल रहे। प्रदर्शनों के प्रति प्रतिक्रियाएं बहुत उत्साहजनक रही और उपयोगकर्ताओं द्वारा बहुत सी पूछताछ की गई। सभी उन्नत उत्पादों को अंतिम उपयोगकर्ताओं द्वारा अच्छी तरह से स्वीकार किया गया और सराहा गया। इस प्रदर्शनी में वितरकों, विक्रेताओं, आयातकों, निर्यातकों और विभिन्न उद्योगों के औद्योगिक आपूर्तिकर्ताओं ने भाग लिया। यह वास्तव में विभिन्न उद्योगों के लिए भविष्य में हाथ उपकरण की आवश्यकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए एक आदर्श मंच था।

तापड़िया टूल्स एक क्रड-9001 मान्यता प्राप्त कंपनी है जिसने 1969 में स्वीडन की एच बी बाहको के साथ तकनीकी सहयोग से भारत में हाथ के औजारों का निर्माण शुरू किया था।

वर्तमान में कंपनी हाथ उपकरण खंड में अग्रणी है। इसका ध्यान हमेशा उद्योग क्षेत्रों जैसे विमानन, निर्माण और बुनियादी ढांचे, लकड़ी के काम, फर्नीचर, ऑटोमोबाइल और ऑटो सेवा आदि के लिए गुणवत्ता, विशेष और उच्च हाथ उपकरण, फास्टनरों और विशेष उपकरण आदि की आवश्यकता पर रहा है। ये उपकरण उच्च गुणवत्ता वाले कच्चे माल और एक सख्त गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया के साथ निर्मित होते हैं, जो उच्च प्रदर्शन वाले हाथ उपकरणों के वितरण की सुविधा प्रदान करते हैं।

अफ्रीकी चीतों की टास्क फोर्स के जरिए निगरानी करेगी सरकार

नई दिल्ली। भारत में विलुप्त घोषित किए जाने के 70 साल बाद नामीबिया से लाए गए चीतों को लेकर केंद्र सरकार कोई कोताही नहीं बरतना चाहती है। इसीलिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने इसकी निगरानी के लिए नौ सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन किया है।

टास्क फोर्स को चीतों के स्वास्थ्य की निगरानी, क्वारंटाइन और सॉफ्ट रिलीज बाड़ों का रखरखाव, इको-टूरिज्म के लिए चीतों के आवास को खोलना और स्थानीय समुदायों के साथ नियमित बातचीत की जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति के अधिकारी इन चीतों के शिकार कौशल और अनुकूलन की निगरानी भी करेंगे। भारत सरकार ने चीते को देश में लाने की पांच साल की योजना

बनायी है। इसके पहले चरण में 8 चीतों को लाया गया, वहीं दूसरी इस ओर 5 वर्षीय प्रयोग के दूसरे चरण में और 12 चीते दक्षिण अफ्रीका से लाये जाने हैं। इन्हें कूनो नेशनल पार्क के अलावा किसी दूसरे समान जलवायु और वन क्षेत्र वाले नेशनल पार्क में भी छोड़ा जाएगा।

बढ़ई समाज की हुई बैठक

लखीसराय। विश्वकर्मा काष्ठ शिल्पी विकास समिति लखीसराय की ओर से बढ़ई समाज संघ की सामुदायिक बैठक 19 नवंबर को बाईपास में एक निजी हाल में आयोजित किया गया।

बैठक में 10 सूत्री मांगों पर चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने देते हुए बताया कि बढ़ई जाति की संख्या बल के आधार पर राज्य सत्ता में भागीदारी, बढ़ई जाति को अनुसूचित जाति में शामिल करने, सभी झूठे मुकदमा वापस लेने, सरकारी लकड़ी पर बढ़ई समाज का हक, आरा मिल का लाइसेंस देने व बढ़ई समाज पर हो रहे अत्याचार पर रोक सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई।

द सिटी न्यूज चैनल के 20 वर्ष पूरे

मुंबई। उपनगर अंधेरी में द सिटी न्यूज़ चैनल के 20 वर्ष पूरे होने के अवसर पर चैनल की ओर से पत्रकारों का सम्मान व स्नेह भोज बाटी-चोखा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। द सिटी न्यूज़ चैनल की शुरुआत सन 2002 में एक साप्ताहिक न्यूज़ चैनल के तौर पर की गई थी। निष्पक्ष समाचार व विश्लेषण से इस चैनल ने अच्छी लोकप्रियता हासिल की। इस चैनल में काम कर चुके कई पत्रकार आज देश के राष्ट्रीय चैनलों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं।

चैनल के प्रबंध संपादक प्रमोद श्यामाचरण पांडे ने कहा कि समाज प्रबोधन के कार्य में पत्रकार की अहम भूमिका रहती है, पत्रकार समाज में दर्पण की तरह कार्य करता है । पत्रकार जिस सजगता से काम करता है, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। इस कार्यक्रम में पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े जयप्रकाश सिंह, अभिषेक पांडे, संदीप शुक्ला, हरीश चंद्र पाठक, जयसिंह, अनिल गलगली, गंगाराम विश्वकर्मा, जितेंद्र मिश्रा, नवीन पांडे, बृजेश त्रिपाठी, शिवकुमार तिवारी, प्रेम चौबे, ओमप्रकाश तिवारी, नरेश जैन, एस.आर. यादव, भालचंद्र नेमाने, सर्वेश तिवारी, सूर्या रवाने, उत्तम पांडे, राजू राठौड़, किशोर यदुवंशी, विनोद यादव सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधियकारी डॉ. शिवश्याम तिवारी, इन्द्रसेन उपाध्याय, राम जी पांडे,रामा चौबे, अभिषेक दुबे, आलोक दुबे, तुषाल पांडे, विशाल दुबे, अनिकेत दुबे, प्रवीण तिवारी, पंकज मिश्रा, शंकर मिश्रा, राजेश पांडेय, राहुल दुबे,आशुतोष तिवारी, नवल सिंह आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर चैनल की ओर से पत्रकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

वनकर्मियों पर हमला करने वाला युवक गिरफ्तार

बिलासपुर। कोटा थाना के बेलगहना चौकी क्षेत्र में पुलिस ने वन विभाग की टीम पर हमला करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। महिला रेंजर अपनी टीम के साथ चोरी की लकड़ी पकड़ने गई थी। इस दौरान टीम को देखकर युवक ने गाली देते हुए कुल्हाड़ी लेकर दौड़ाया और कर्मचारियों के साथ मारपीट कर दी। इस घटना के बाद से वह फरार था, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया।

वन विकास निगम परियोजना बेलगहना वन परिक्षेत्र में पदस्थ रेंजर इंद्राणी बंदे अपनी टीम के साथ बीते 14 नवंबर को ग्राम करवा पहुंची थीं। इस दौरान उन्हें जंगल में पेड़ों की कटाई होने की जानकारी मिली थी, तब उन्होंने गांव के युवक राजू के घर तलाशी लेने पहुंची। वनकर्मियों की टीम ने गांव में राजू पात्रे के घर में दबिश दी। तलाशी के दौरान उसके घर से सागौन लकड़ी से बने फर्नीचर मिले। इसके दस्तावेज नहीं थे। इस दौरान वनकर्मियों ने राजू को तलाशी वारंट दिखाया, जिसे उसने फाड़ दिया। इसके बाद उसने आंगन में रखी कुल्हाड़ी लेकर हमला करने के लिए दौड़ाया। उसकी हरकतों को देखकर वनकर्मियों ने भागकर अपनी जान बचाई। बाद में रेंजर ने इस घटना की शिकायत बेलगहना चौकी में की जिस पर आरोपी राजू के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। इस घटना के बाद से आरोपी राजू फरार था। चौकी प्रभारी हेमंत सिंह व उनकी टीम आरोपी की लगातार तलाश कर रही थी। पुलिस को पता चला कि वह अपने घर में आकर छिपा है, तब पुलिस ने दबिश देकर उसे दबोच लिया।

फर्नीचर बनाने वाली कंपनी पर जुर्माना

बुलंदशहर। प्लास्टिक फर्नीचर बनाने वाली कंपनी पर जीएसटी विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए फर्जी आईटीसी क्लेम और कर चोरी का खुलासा किया है। टीम ने कंपनी से 38.23 लाख रुपये का जुर्माना वसूला है।

जीएसटी विभाग की जोनल एडिशनल कमिश्नर अदिति सिंह के निर्देशन में टीम ने सिकंदराबाद क्षेत्र स्थित प्लास्टिक फर्नीचर बनाने वाली फैक्ट्री वंसुली इंडस्ट्री एलएलपी पर छापा मारा। ज्वाइंट कमिश्नर विभा पांडेय और डिप्टी कमिश्नर धर्मेंद्र जायसवाल ने बताया कि सिकंदराबाद स्थित फैक्ट्री संचालक द्वारा फर्जी बिलों के आधार पर आईटीसी क्लेम करने की जानकारी मिली थी। मौके पर पहुंचकर पाया कि फर्म ने 2019-20 और 2020-21 में फर्जी बिलों के आधार पर अधिक आईटीसी क्लेम की थी। इसके अलावा कर चोरी करते हुए बिक्री किए जाने और दस्तावेजों में दर्ज स्टॉक से अधिक माल मिलने पर कर चोरी के साक्ष्य मिले। जिसके चलते मौके पर ही फर्म संचालक से जुर्माना और कर के तौर पर 38.23 लाख रुपये जमा कराए गए। फर्म की जांच करते हुए डिप्टी कमिश्नर और असिस्टेंट कमिश्नर प्रदीप कुमार ने फर्म संचालक को चेतावनी भी दी कि भविष्य में फर्जीवाड़ा पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढ़ा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

ICE में यूरो 7000 का जलवा

मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के जिओ कन्वेंशन सेंटर में 10 से 13 नवंबर 22 तक आयोजित इंडिया कवरिंग्स एक्सपो (ICE) में ज्योति रेजिंस एंड एडहेसिव लि. ने भाग लिया। ज्योति रेजिंस एंड एडहेसिव लि. के लोकप्रिय ब्रांड यूरो 7000, यूरो एक्स्ट्रा, यूरो डब्लू पी टू इन वन, यूरो एक्ट्रीम 3, यूरो टू इन वन, यूरो अल्ट्रा फाइव इन वन, यूरो पीवीसी ग्लू को प्रदर्शित किया गया। एसीई एग्जीबिशन में आने वाले आगंतुकों ने यूरो एडहेसिव उत्पाद के बारे में जानकारी ली।

महाकाल के आंगन में आध्यात्मिकता दिव्यता, भव्यता का संगम

किसी राष्ट्र का सांस्कृतिक वैभव इतना विशाल तभी होता है, जब उसकी सफलता का परचम, विश्व पटल पर लहरा रहा होता है। सफलता के शिखर तक पहुंचने के लिए भी ये जरूरी है कि राष्ट्र अपने सांस्कृतिक उत्कर्ष को छुए, अपनी पहचान के साथ गौरव से सर उठाकर खड़ा हो जाए। इसीलिए आजादी के अमृतकाल में भारत ने 'गुलामी की मानसिकता से मुक्ति' और अपनी 'विरासत पर गर्व' जैसे पंच प्राण का आहवान किया है। सोमनाथ, अयोध्या में राम मंदिर, काशी-विश्वनाथ धाम, बाबा केदारनाथ धाम और करतारपुर साहिब के बाद अब भारत की सांस्कृतिक विरासत को भव्य रूप देने की इसी पहल में 11 अक्टूबर को महाकाल की नगरी उज्जैन का नाम भी जुड़ गया...

भव्यतम रूप में पुनः स्थापित कर रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी

गुलामी के कालखंड में हमने जो खोया, आज भारत उसे पुनः स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं, इस देश की मिट्टी बाकी दुनिया से कुछ अलग है। यहां अगर औरंगजेब आता है तो शिवाजी भी उठ खड़े होते हैं। अगर कोई सालार मसूद इधर बढ़ता है तो राजा सुहेलदेव जैसे वीर योद्धा उसे हमारी एकता की ताकत का एहसास करा देते हैं।

भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में 'महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग' का अपना एक अलग महत्व है। महाकाल मंदिर विश्व का एकमात्र ऐसा शिव मंदिर है जहां दक्षिणमुखी शिवलिंग प्रतिस्थापित है। ये शिव के ऐसे स्वरूप हैं, जिनकी भस्म आरती पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। हर भक्त अपने जीवन में भस्म आरती के दर्शन जरूर करना चाहता है। महाकाल मंदिर में पूरे देश और दुनिया से लोग आते हैं। जब सिंहस्थ कुम्भ लगता है तो लाखों लोग जुटते हैं। दुनिया में आध्यात्मिकता के इस महान केंद्र को भव्यतम रूप महाकाल लोक परियोजना के जरिए दिया जा रहा है। इसके जरिए श्रद्धालुओं को आधुनिकतम सुविधाएं देने के साथ ही महाकाल परिसर को भव्यतम रूप दिया जा रहा है। महाकाल के आंगन को 856 करोड़ रुपये की लागत से 2 चरण में विकसित किया जा रहा है। इसके पूरा होने के बाद 2.8 हेक्टेयर में फैले महाकाल का पूरा क्षेत्र 47 हेक्टेयर का हो जाएगा। महाकाल लोक पहले चरण में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर से 4 गुना बड़ा है। दूसरे चरण का काम पूरा होने के बाद यह 9 गुना बड़ा हो जाएगा। इसी प्रोजेक्ट के पहले चरण में 20 हेक्टेयर से ज्यादा के महाकाल कॉरिडोर के पहले चरण का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 अक्टूबर को किया। महाकाल की नगरी उज्जैन की महिमा का स्मरण करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ज्योतिषीय गणनाओं में उज्जैन न केवल भारत का केंद्र रहा है, बल्कि यह भारत की आस्था का भी केंद्र रहा है। यह वो नगर है, जो हमारी पवित्र सात पुरियों में से एक गिना जाता है। यह वो नगर है, जहां स्वयं भगवान कृष्ण ने भी आकर शिक्षा ग्रहण की थी। उज्जैन ने महाराजा विक्रमादित्य का वो प्रताप देखा है, जिसने भारत के नए स्वर्णकाल की शुरुआत की थी। महाकाल की इसी धरती से विक्रम संवत के रूप में भारतीय कालगणना का एक नया अध्याय शुरू हुआ था। उज्जैन के क्षण-क्षण में,पल-पल में इतिहास सिमटा हुआ है, कण-कण में आध्यात्म समाया हुआ है। यहां काल चक्र का, 84 कल्पों का प्रतिनिधित्व करते 84 शिवलिंग हैं। यहां 4 महावीर हैं, 6 विनायक हैं, 8 भैरव हैं, अष्टमातृकाएं हैं, 9 नवग्रह हैं, 10 विष्णु हैं, 11 रुद्र हैं, 12 आदित्य हैं, 24 देवियां हैं, और 88 तीर्थ हैं। इन सबके केंद्र में राजाधिराज कालाधिराज महाकाल विराजमान हैं। यानि, एक तरह से हमारे पूरे ब्रह्मांड की ऊर्जा को हमारे ऋषियों ने प्रतीक स्वरूप में उज्जैन में स्थापित किया हुआ है। इसीलिए, उज्जैन ने हजारों वर्षों तक भारत की संपन्नता और समृद्धि का, ज्ञान और गरिमा का, सभ्यता और साहित्य का नेतृत्व किया है। इस नगरी का वास्तु कैसा था, वैभव कैसा था, शिल्प कैसा था, सौन्दर्य कैसा था, इसके दर्शन हमें महाकवि कालिदास के मेघदूत में होते हैं। बाणभट्ट जैसे कवियों के काव्य में यहां की संस्कृति और परंपराओं का चित्रण हमें आज भी मिलता है। यही नहीं, मध्यकाल के लेखकों ने भी यहां के स्थापत्य और वास्तुकला का गुणगान किया है।

महाकाल लोक पथ

कहा जाता है कि 1234 में गुलाम वंश के शासक इल्तुतमिश ने आक्रमण कर महाकाल मंदिर को नष्ट कर दिया था। उस वक्त पुजारियों ने महाकाल ज्योतिर्लिंग को कुंड में छिपा दिया था। 1734 में राणोजी सिंधिया ने इसका पुनर्निर्माण कराया। इसके करीब 280 साल बाद स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के साथ महाकाल लोक की स्थापना की परिकल्पना की गई। अब 11 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी ने इसके पहले चरण का उद्घाटन किया है।

E3 PVC EDGE BAND TAPE

कारपेंटर भाइयों की पहली पसंद

भारत में निर्मित
रहे हमेशा नई जैसी
लगाने में आसान, कभी न उतरे
बचाए आपके फर्नीचर को पानी और दीमक से

1st INDIAN MANUFACTURER IN WORLD CLASS QUALITY

E3
elegant | everlasting | economical

+91 70251 70251 | info@e3panels.com | www.e3panels.com

DEALERS ENQUIRY SOLICITED FOR PAN INDIA

कारपेंटरों ने लांच की गोदरेज डिजिटल लॉक

मुंबई। गोदरेज लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल फिटिंग्स एंड सिस्टम के नए गोदरेज डिजिटल लॉक की लांचिंग कारपेंटरों के द्वारा की गई। 30 नवंबर को ठाणे स्थित एक होटल में गोदरेज विशेष लाभ क्लब की मीटिंग में उपस्थित फर्नीचर ठेकेदारों के बीच इस नए डिजिटल लॉक्स की लांचिंग की गई। पूर्व में भी गोदरेज लॉक्स के कई उत्पादों की लांचिंग कारपेंटरों के द्वारा की जा चुकी है।

गोदरेज विशेष लाभ क्लब के मीटिंग में शामिल कारपेंटरों में लक्की ड्रा निकाली गई। लक्की ड्रा विजेता पारसमल सुथार व जीतलाल विश्वकर्मा को गोदरेज लॉकर देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गोदरेज विशेष लाभ क्लब के अंसारी मुदसर, गोदरेज लॉक्स के एरिया सेल्स मैनेजर आकाश सिंह ठाकुर, बी. डी. ई. विपिन दलवी ने गोदरेज लॉक्स के विभिन्न उत्पादों के बारे में जानकारी दी। गोदरेज विशेष लाभ क्लब गोदरेज लॉक्स का एक लॉयल्टी प्रोग्राम है, जिसमें गोदरेज लॉक्स के उत्पादों की खरीदी पर उत्पाद पर लगे क्यूआर कोड को स्कैनिंग के बाद जमा पॉइंट पर उपहार दिया जाता है। गोदरेज विशेष लाभ क्लब में गोदरेज लॉक्स के उत्पादों के साथ उसके फिटिंग के बारे में भी जानकारी दी जाती है। मुंबई में अब तक 8 हजार से अधिक कारपेंटर कांट्रेक्टर इस क्लब से जुड़ चुके हैं। गोदरेज विशेष लाभ क्लब की अगली मीटिंग बुधवार, 20 दिसंबर 22 को नवी मुंबई के खारघर के एक होटल में आयोजित की गई है।

भारत बना दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक

मुंबई। भारत इस साल शुगर सीजन में दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक बन कर उभरा है। खाद्य मंत्रालय के मुताबिक सितंबर 2022 को खत्म हुआ सीजन पूरे शुगर सेक्टर के लिए ऐतिहासिक रहा है।

सीजन के दौरान गन्ने की पैदावार, चीनी का उत्पादन, चीनी का निर्यात, गन्ने की खरीद, गन्ने के बकाया भुगतान और एथेनॉल उत्पादन में रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस व्यापारिक वर्ष में अब तक के सर्वाधिक 109.8 लाख मीट्रिक टन चीनी निर्यात की वजह से देश में लगभग 40,000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा आई है। किसानों का गन्ना बकाया इस सीजन के अंत तक सिर्फ 6,000 करोड़ रुपये था। इस सीजन में देश में 5,000 लाख मीट्रिक टन(एलएमटी) गन्ने का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। इसमें से 3,574 लाख मीट्रिक टन गन्ने के पेराई की गई, इसमें से 395 लाख मीट्रिक टन चीनी (सुक्रोज) का उत्पादन हुआ है। इसमें से 35 लाख मीट्रिक टन चीनी का इस्तेमाल एथेनॉल के लिए किया गया है। 2018-19 में 3 एलएमटी से बढ़कर 2021-22 शुगर सीजन तक ये आंकड़ा 35 एलएमटी तक पहुंच गया है। आपको बता दें कि भारत दुनिया में चीनी का सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। वहीं, गन्ना उत्पादन में भारत का दुनिया में दूसरा स्थान है, पहले स्थान पर ब्राजील है।

TJM/TTL/22/HIN

जायका इंडिया का

बथुआ का पराठा

बथुआ में कई पोषक तत्व होते हैं जो शरीर को बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं। यह खून को साफ करने के साथ ही कब्ज को दूर करने वाली, दांतों की समस्या में राहत देने वाली, पाचन शक्ति को मजबूत करने वाली होती है। बथुआ की साग या बथुआ की दाल बड़े चाव से खाई जाती है। सर्दियों के मौसम में बथुआ का पराठा को भी ट्राई किया जा सकता है जो काफी टेस्टी होता है। इसे आसान तरीके से घर तैयार किया जा सकता है।

सामग्री – बथुआ के पत्ते 4 कप, आलू 1, आटा 3 कप, जीरा पाउडर 1/2 टीस्पून, अजवाइन 1/2 टीस्पून, हींग 1 चुटकी, हरी मिर्च कटी 2, तेल, नमक स्वादानुसार।

विधि – बथुआ के पराठे बनाने के लिए सबसे पहले बथुआ के पत्ते लें और उन्हें अच्छी तरह से धोकर काट लें। अब एक कड़ाही लें और उसमें धीमी आंच पर पानी गर्म करने रख दें। इसमें बथुआ के पत्ते और आलू को डालकर उबालने रख दें। कड़ाही को ऊपर से ढक दें। जब पत्ते नर्म हो जाएं तो गैस की फ्लेम को बंद कर दें। अब एक गहरे तले वाला बर्तन लें और उसमें आटा छानकर डाल दें। इसमें जीरा पाउडर, अजवाइन, एक चुटकी हींग और स्वादानुसार नमक डालकर सभी को अच्छी तरह से मिक्स कर दें।

इसके बाद बथुआ के उबले हुए पत्तों को छानकर पानी निथार लें और उसे आटे के साथ मिक्स कर दें। इसके बाद उबले आलू को मैश कर इस मिश्रण में डालकर अच्छी तरह से मिला दें। फिर कटी हरी मिर्च को डालकर सभी को अच्छी तरह से मिलाएं। अब आटे को अच्छी तरह से गूंद लें। इसके बाद इसे किसी कपड़े से ढककर दस मिनट के लिए अलग रख दें। ध्यान रखें कि बथुआ के पत्तों और आलू में पहले से पानी होने की वजह से आपको आटा गूंदने में ज्यादा पानी की आवश्यकता नहीं लगेगी। अब आटे को लेकर उसकी लोइयां तैयार कर लें। गोल या तिकोना जिस भी आकार का पराठा खाना चाहते हैं उस तरह का पराठा बेल लें। अब एक नॉनस्टिक तवा लें और उसे गैस पर गर्म करने के लिए रख दें। जब तवा ठीक से गर्म हो जाए तो उसमें पराठा डालकर सेकें। एक तरफ से पराठा जब सिक जाए तो उस पर तेल लगाकर पलट दें। अब दूसरी तरफ से तेल लगाएं। पराठे को तब तक सेकें जब तक कि वह गोल्डन ब्राउन न हो जाए। इसी तरह सभी लोइयों के पराठे बना लें। बथुआ का हेल्दी और टेस्टी पराठा तैयार हो चुका है। इसे चटनी, अचार या दही के साथ सर्व करें।

OZONE
FOR A SAFER WORLD

जानिये ओज़ोन लॉयल्टी प्रोग्राम के अधिक से अधिक लाभ
मिलिए हमारे ओज़ोस्टार्स प्रोग्राम के सितारों से

OZO STARS
एक पहल, अपनों के साथ!
लॉयल्टी प्रोग्राम

ओज़ोस्टार्स लॉयल्टी प्रोग्राम के अंतर्गत कारपेंटर्स, कॉन्ट्रैक्टर्स और फैब्रिकेटर्स को मिलते हैं कई इन्सेन्टिव्स। जब आप ओज़ोन प्रोडक्ट्स लगाने का सुझाव ज़्यादा से ज़्यादा कस्टमर्स को देते हैं तो आप पा सकते हैं 5.25% तक की एक्स्ट्रा कमाई।

इसी कार्यक्रम के तीन विजेताओं से मिलिए जिन्होंने सबसे ज़्यादा कस्टमर्स के घरों में ओजोन प्रोडक्ट्स लगाए। विनर्स ने ओज़ोन प्रोडक्ट्स डीलर्स से खरीदे, कस्टमर्स को दिलाये और हर प्रोडक्ट स्कैनिंग पर पॉइंट्स पाए। कमाए गए सभी पॉइंट्स आकर्षक इनामों के बदले उन तक पहुंचाए गए जैसे ऐमज़ॉन या फ्लिपकार्ट के वाउचर्स।

अमरींदर सिंह
₹1,00,000
फैब्रिकेटर, पंजाब

"मुझे जैसे ही ओज़ोस्टार्स लॉयल्टी प्रोग्राम के बारे में पता चला मैंने खुद को रजिस्टर करवाया। मुझे ओज़ोन से इतने अधिक बेनिफिट्स मिले, अब तक मैं ₹100000 रुपये तक के वाउचर्स जीत चुका हूँ। सभी फैब्रिकेटर्स को इस प्रोग्राम से जुड़ के इसका लाभ उठाना चाहिए।

★★★

मुझे ओज़ोस्टार्स के बारे में प्रोडक्ट्स पे लगे स्टिकर्स और डीलर्स से पता चला। मैंने प्रोडक्ट्स की स्कैनिंग शुरू की और अब तक मुझे ₹100000 रुपये से ज़्यादा का लाभ हो चुका है।

मनोज कुमार
₹1,00,000
फैब्रिकेटर, पंजाब

★★★

मुझे ओज़ोस्टार्स लॉयल्टी प्रोग्राम से जुड़ने के बाद बहुत फायदा हुआ है। एक साल के अंदर मुझे ₹90000 रुपये का लाभ हुआ है।"

सुनील कुमार
₹90,000
फैब्रिकेटर, उत्तर प्रदेश

ओज़ोन ओज़ोस्टार्स कार्यक्रम में एनरोल करने का तरीका
ओज़ोस्टार्स एप डाउनलोड करें
अपनी डीटेल्स भरें और लॉग इन करें
या हेल्पडेस्क नंबर 18002020204 पे कॉल करें और अपनी डीटेल्स शेयर करें

पॉइंट्स कमाने की प्रक्रिया
ओज़ोस्टार ऐप डाउनलोड कीजिए और लॉगिन करें
प्रोडक्ट के QR कोड को स्कैन करके पॉइंट्स जमा कीजिये
निर्धारित पॉइंट्स जमा होने पर उन्हें रिडीम कीजिये

तो बस ओज़ोस्टार्स ऐप पे QR कोड्स स्कैन करते जाइए और ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाते जाइए।
GET IT ON Google Play
Available on the App Store
www.ozone-india.com

व्हाट्सएप पे चैटिंग हुआ हिट

सोशल मीडिया का जमाना है और अब लोग चैटिंग एप के जरिये अपनी लव स्टोरी को भी आगे बढ़ा रहे है। ऐसे में

एक खास गाना रिलीज किया गया है। जो काफी पसंद किया जा रहा है। व्हाट्सएप पे चैटिंग इस गाने के रिलीज के साथ ही गाने को काफी पसंद किया जा रहा है।

इस गाने में अपनी आवाज दी है प्रिंस सिद्दीकी के साथ शिल्पी राज ने जिनके सैकड़ों गाने हिट हो चुके है और लोगों में शिल्पी का बेहद ही ज्यादा क्रेज है। आये दिन शिल्पी राज का गाना ट्रेंडिंग में रहता है। वही इस गाने की बात करे तो यह गाना बेहद ही खास और मस्ती भरा गाना है। एम स्क्वायर एंटरटेनमेंट के ऑफिशियल चैनल से रिलीज हुए इस गाने में शिल्पी राज और प्रिंस सिद्दीकी ने अपनी आवाज दी है, वही गाने में के वीडियो में प्रिंस नजर आ रहे है और उनके साथ सोनाली मिश्रा का दमदार केमिस्ट्री देखने मिल रही है। 'व्हाट्सएप पर चैटिंग' इस गाने के निर्माता मनोज कुमार, वसंत पेदिनी, ऐ जे खान हैं जबकि डायरेक्टर रंगलाल निषाद है। गाना 'व्हाट्सएप पर चैटिंग' के बोल और म्यूजिक को काफी पसंद किया जा रहा है। गाने के लेखक अशोक सिंहा है और गाने में संगीत जे पी बाबा ने दिया है।

टीवी पर वापसी कर रही हैं अंगूरी भाभी

शिल्पा शिंदे सीरियल की दुनिया में छह वर्ष बाद फिर से एक बार एंट्री कर रही हैं। अपने हर किरदार में जान डालने वाली शिल्पा फिर एक बार एक दिलचस्प किरदार में नजर आने

वाली हैं। सीरियल भाबीजी घर पर हैं में उनका अंगूरी भाभी का किरदार लोगों ने खूब पसंद किया। हालांकि प्रोडक्शन हाउस और चैनल से हुई अनबन की वजह से उन्होंने इस शो को अलविदा कहा। कुछ रियलिटी शो और ओटीटी प्रोजेक्ट्स करने के बाद अब शिल्पा शिंदे फिर एक बार छोटे पर्दे पर अपने फैंस का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

शिल्पा ने मीडिया से इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि मैं मैडम सर का हिस्सा बनने जा रही हूं। यह शो काफी समय से प्रसारित हो रहा है और इसकी क्लीन और अद्भुत स्लैपस्टिक कॉमेडी के लिए सराहना की जाती है। कोई इस तरह की ऑफर को रिजेक्ट नहीं कर सकता। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए शिल्पा शेट्टी ने कहा कि मेरा किरदार पुलिस में था, लेकिन उसने अब नौकरी छोड़ दी है और अपनी शादी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपने सपनों को दूर कर दिया था। उनके सपने अधूरे रह गए। अब वह कई वर्षों के बाद ड्यूटी पर वापस आई हैं। आने वाली कहानी उनके काम पर वापस आने और विभिन्न स्थितियों पर उनकी एक्शन के बारे में होगी।

स्वरा को नहीं मिल रहा काम

अपनी बेबाकी के लिए मशहूर अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने कहा है कि मुझे जितना काम मिलना चाहिए, उतना काम नहीं मिला। उन्होंने यह भी कहा कि जो मौके मुझे मिले हैं, उससे कहीं मैं बेहतर ऐक्टर हूं।

गौरतलब है कि स्वरा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर अक्सर अपनी राय सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। पिछले दिनों वह राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुई थी, जिसके बाद वह एक बार फिर चर्चा में हैं।

स्वरा ने कहा कि उनके करियर का ट्रैक रिकॉर्ड अच्छा रहा है, वो 6-7 ब्लॉकबस्टर फिल्मों का हिस्सा रही हैं, वेब सीरीज में भी वह लीड रही थी। स्वरा ने कहा ऐसा लगना नहीं चाहिए लेकिन ये सच है कि जितना काम उन्हें मिलना चाहिए उतना नहीं मिल रहा है। राजनीतिक मुद्दों पर अपनी टिप्पणियों को लेकर स्वरा को अक्सर ट्रोल किया जाता है। अभिनेत्री ने कहा कि जो लोग सत्ता पर सवाल उठाते हैं उन्हें बदनाम करने की कोशिश की जाती है। जो डर हमारे देश को जकड़े हुए हैं, उसका सबसे अधिक असर बॉलीवुड में साफ दिखाई देता है। स्वरा आखिरी बार फिल्म जहां चार यार में दिखी थी। फिल्म में स्वरा के अलावा मेहर विज, पूजा चोपड़ा और शिखा तलसानिया है। अभिनेत्री की अगली फिल्म मिमांस और मिसेज फलानी है।

देसी गर्ल ने मचाया तहलका

प्रियंका चोपड़ा ने अपने बोल्ड लुक से सभी को क्लीन बोल्ड कर दिया है। प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट फोटो शेयर की है जिनमें वो बेहद खूबसूरत लग रही हैं। प्रियंका ने डार्क पिंक ड्रेस पहनी है। प्रियंका की फोटो देखकर उनके पति निक जोनस भी खुद को कमेंट करने से नहीं रोक पाए। निक ने प्रियंका के पोस्ट पर हॉटी लिखकर कमेंट किया।

प्रियंका चोपड़ा ने फुल लेंथ पिंक गाउन पहना है। जिसे उन्होंने बैलून स्टाइल श्रग के साथ कॉम्पोनेंट किया है। हालांकि सभी की नजरें उनके डीप नेकलाइन पर जाकर अटक रही है। जहां रेड कार्पेट पर प्रियंका चोपड़ा ने अपना जलवा बिखेरा। उनकी बोल्ड ड्रेस वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर तहलका मचा रही है। प्रियंका की ये फोटो दुबई के फैशन शो की है जहां प्रियंका ने शिरकत की है। इससे पहले प्रियंका चोपड़ा को यलो गाउन में रेड सी अवॉर्ड फंक्शन में देखा गया था, जिसमें उनका लुक मैजिकल था।

जान्हवी ने ढाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने नए-नए लुक की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। एक बार फिर जान्हवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें शेयर की है, जिसमें वह काफी बोल्ड लग रही हैं। जान्हवी ने अपने इस लुक को लाइट मेकअप, हील्स और रिंग्स के साथ कम्पलीट किया है। सोशल मीडिया पर जान्हवी कपूर के फैंस उनकी तस्वीरों पर दिल खोलकर लाइक और कमेंट्स करते नजर आते हैं। वर्क फ्रंट की बात करे तो जान्हवी कपूर जल्द ही वरुण धवन के साथ फिल्म बवाल में नजर आएंगे, जो 2023 में रिलीज होगी।

शहनाज की रैपिंग देख इंप्रेस हुए फैंस

शहनाज गिल और एमसी स्कैर का मोस्ट अवेटेड हरयाणवी गाना अब रिलीज हो गया है। इसी के साथ फैंस का इंतजार भी खत्म हो गया। ये गाना रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर धमाल मचा रहा है। शहनाज ने फैंस को अपने हरियाणवी रैपर स्टाइल से हैरान कर दिया है। बीते दिन एक्ट्रेस ने अपने गाने का टीजर वीडियो रिलीज किया था। गाने के सामने आने के बाद फैंस का कहना है कि उनकी उम्मीद खाली नहीं गई।

अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर शहनाज गिल ने फैंस को अपना गाना आउट होने की जानकारी दी है। उन्होंने सांग का छोटा सा क्लिप शेयर करते हुए लिखा है कि फॉरगेट योर मंडे ब्लूज विथ घनी सयानी। इस सांग को एमसी स्क्वायर और शहनाज गिल दोनों ने ही अपनी आवाज दी है। गाने के वायरल होने के पीछे की ये बहुत बड़ी वजह है। कुछ ही मिनटों में इस गाने ने लाखों व्यूज बटोर लिए हैं। इससे शहनाज और एमसी स्क्वायर की फैन फॉलोइंग का भी अंदाजा लगाया जा सकता है। वीडियो सांग में लोगों ने दोनों की कैमिस्ट्री को भी खूब पसंद किया है। वीडियो में शहनाज गिल के एक से एक सिजलिंग डांस स्टेप्स ने लोगों को उनका एक बार फिर से दीवाना बना दिया है। इतना ही नहीं शहनाज और एमसी स्कायर की आग लगा देने वाली कैमिस्ट्री को भी लोग खूब पसंद कर रहे हैं। वीडियो पर लगातार लोग लाइक्स और कॉमेंट्स की बरसात कर रहे हैं।

संभाल लेंगे

80 किलो तक भारी वजन उठाने की क्षमता

अधिकतम जगह उपलब्ध

स्मूद और ड्यूरेबल

सॉफ्ट क्लोज़

वेबसाइट पर जाने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 09310012300